भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2951 का उत्तर

एबीएसएस के तहत रेलवे स्टेशनों का ढांचागत विकास

2951. डॉ. प्रदीप कुमार पाणिग्रही:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत दो वित्तीय वर्षों के दौरान अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत किए गए कुल पूंजीगत व्यय और ढांचागत विकास का ब्यौरा क्या है और पुनर्विकसित स्टेशनों का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार, स्टेशन-वार और वर्षवार ब्यौरा क्या है;

(ख) जून, 2026 की स्थिति के अनुसार व्यस्ततम रेल गलियारों में वर्तमान में स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली, कवच से सुसज्जित मार्ग-किलोमीटर कवरेज कितना है; और

(ग) संपूर्ण रेल नेटवर्क की शेष ट्रंक लाइनों पर कवच की तैनाती के लक्ष्य को शत-प्रतिशत प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित लक्षित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 261 स्टेशनों को पूरा कर लिया गया है।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत शामिल स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया

जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय के ब्यौरे क्षेत्रीय रेल-वार रखे जाते हैं, न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। योजना शीर्ष - 53 के तहत पिछले दो वित्तीय वर्षों और चालू वित्तीय वर्ष के लिए 37,086 करोड़ रु. की निधि आबंटित की गई है और अब तक 30,011 करोड़ रु. का व्यय (जून, 2026 तक) उपगत किया गया है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में भारतीय रेल के स्टेशनों में सुधार करने के लिए मास्टर योजना तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन शामिल है। इस मास्टर योजना में, प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल हैं :

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,
- स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,
- स्टेशन भवन में सुधार,
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथ में सुधार,
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/भूमिगत मार्ग का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,
- पार्किंग विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली,

- एयर कॉन्कोर्स, एग्जीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमॉडल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान शामिल हैं।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्य अनुसार संधारणीय और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है। अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 261 स्टेशनों को पूरा कर लिया गया है, शेष स्टेशनों पर कार्य निष्पादन/निविदा/मुख्य योजना बनाने का कार्य विभिन्न चरणों में है। पूर्ण हो चुके स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

ऐशबाग जंक्शन, अलनावर, अंब अंदौरा, अम्बासमुद्रम, अंबिकापुर, आमगांव, आनंदपुर साहिब, अनारा, अंगमाली फॉर कलाडी, अशोकनगर अयोध्या धाम जंक्शन, बछरावाँ, बादामी, बागलकोट, बहेरी, बैजनाथ पपरोला, बालाघाट, बलांगीर, बालोद, बलरामपुर, बनमनखी, बंतावाला, बाराभूम, बारामती, बरेली सिटी, बारीपदा, बाड़मेर, बरपाली, बेगमपेट, ब्योहारी, भक्तिनगर, भानुप्रतापपुर, भिलाई, भिंड, बिजनौर, बिमलगढ़, बोम्मिडी, बूंदी, भायखला, चाईबासा, चालकुडी, चंपा, चंदा फोर्ट, चाण्डिल, चंगनास्सेरी, चेन्नै पार्क, छिंदवाड़ा, चिदंबरम, चिंचपोकली, चिन्ना सेलम, चिरायिंकीझ, चुनार जंक्शन, कुन्नूर, कुंबुम, कटक, डाकोर, डालीगंज, दल्लीराझरा, दौरम मधेपुरा, दौसा, डीग, डेरोल, देशनोक, देवलाली, धामपुर, धारवाड़, धुले, दीघा, डोंगरगढ़, एलुरु, फतेहाबाद, फतेहनगर, फतेहपुर, फतेहपुर शेखावाटी, फेरोक, गडग, गंगापुर सिटी, गड़बेत्ता, गौरीगंज, गिरिडीह, गोड्डा, गोधरा जंक्शन, गोगामेड़ी, गोकक रोड, गोला गोकर्णनाथ, गोमतीनगर, गोटन, गोवर्धन, गोविंद गढ़, गोविंदपुर रोड, गोविंदपुरी, गुरूवायूर, हफिजपेट, हैबरगांव, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हापा, हरपालपुर, हर्रावाला, हाथरस सिटी, हाई-टेक सिटी, हिमायतनगर, होडल, होसपेट, ईदगाह आगरा जंक्शन, इज्जतनगर, जैसलमेर, जालंधर कैंटोनमेंट जं., जलपाईगुड़ी रोड, जाम जोधपुर, जाम वनथली, जनगांव, जींद जं., जॉयचंदी पहाड़ जंक्शन, जुन्नोर देव, कहलगांव, काकीनाडा टाउन जंक्शन, कालका, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कनालुस जंक्शन, कराईकुडी जंक्शन,

करमसद, करीमनगर, कटनी दक्षिण, कतरासगढ़, केडगांव, केसिंगा, खैरथल, खलीलाबाद, खंभालिया, खरियार रोड़, कोप्पल, कोसंबा जंक्शन, कोटद्वार, कुलितुरई, कुट्टिपुरम, लासलगांव, लिम्बडी, लोहरदगा, लोनांद जंक्शन, मधुपुर जंक्शन, महबूबाबाद, माहे, महुवा, मैलानी जंक्शन, माजबाट, मल्कापुर, माम्बलम, मनापराई, मंडल गढ़, मंडावर महवा रोड, मंडी डबवाली, मंगलागिरी, मन्नारगुडी, माटुंगा, मावेलिक्करा, एमसीएस छतरपुर, मीठापुर, मोदीनगर, मोहनलालगंज, मोरप्पुर, मोरबी, मुक्तसर, मुनिराबाद, मुरी जंक्शन, मुर्तिजापुर जंक्शन, नैनपुर जंक्शन, नमक्कल, नंदुरा, नर्मदापुरम, नरवाना जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, निदादावोलू जंक्शन, नीलांबुर रोड, ओखा, ओरई, ओरछा, पाकुड़, पलनि, पालीताना, पानागढ़, पनकी धाम, परमक्कुडी, परप्पनंगडी, परेल, परलाखेमुंडी, फाफामऊ जं., पीरपैंती, पिस्का, पुखरायां, पोलाची जंक्शन, पोलूर, पोरबंदर, प्रतापनगर, प्रयाग जं., राजनांदगांव, राजगढ़, राजमहल, राजुला जंक्शन, रामागुंडम, रामगढ़ कैंटोनमेंट, रामघाट हाल्ट, रानिबेन्नूर, रायनपाडु, सबौर, सहारनपुर जंक्शन, साहिबगंज, सलेमपुर, समखियाली, समलपट्टी, सांची, शंकरपुर, सरोना, साहिबजादा अजीत सिंह नगर मोहाली, सावदा, सिवनी, शहाद, शाजापुर, शामली, शिवनारायणपुर, शिवपुरी, शोलावंदन, शोरानूर जंक्शन, श्रीधाम, सिद्धार्थ नगर, सीहोर जंक्शन, सिमुलतला, सिउरी, सोजत रोड, सोमेसर, श्री बाला ब्रह्मेश्वर जोगुलम्बा, श्रीरंगम, श्रीविल्लिपुत्तूर, सेंट थॉमस माउंट, सुब्रहमण्य रोड, सुल्लुरपेटा, सुरेमनपुर, स्वामीनारायण छापिया, तालचेर, तामलुक, टनकपुर, थालास्सेरी, थावे, थिरुवरूर जंक्शन, टीकमगढ़, तिरूर, तिरुवन्नामलाई, त्रिपुनिथुरा, टूनी, उदगमंडलम, उझानी, उरकुरा, उतरन, वडकारा, वडाला रोड, विदिशा, विंध्याचल, वृद्धाचलम जंक्शन, वडकांचेरी, वारंगल।

अन्य स्टेशनों पर विकास के कार्यकलाप भी तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

- भुवनेश्वर स्टेशन: पश्चिम और पूर्व की तरफ नए स्टेशन भवन, एयर कॉनकोर्स, पश्चिम और पूर्व की तरफ एलिवेटेड ड्राइववे और ऊपरी पैदल पार पुल के विस्तार का कार्य पूरा हो

चुका है। प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य शुरू किया गया है।

- छत्रपति संभाजीनगर स्टेशन: उत्तर की तरफ नए डाकघर भवन और पार्सल कार्यालय, रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस के नए भवन का कार्य पूरा हो चुका है। दक्षिण की तरफ नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्रतीक्षालय, शौचालय, एयर कॉनकोर्स, 6 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, छत, उत्तर और दक्षिण की तरफ नए भूमिगत टैंक, उत्तर और दक्षिण की तरफ नए सीवेज उपचार संयंत्र और नए विद्युत उप-स्टेशन भवन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

- गया स्टेशन: द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए आगमन भवन का कार्य पूरा हो चुका है। द्वितीय प्रवेश द्वार पर नए प्रस्थान भवन, मुख्य प्रवेश द्वार पर नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्लेटफॉर्म सं. 8, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स और परिचलन क्षेत्र के सुधार का कार्य शुरू किया गया है।

- नागपुर जं. स्टेशन: यात्री आरक्षण प्रणाली भवन और बुकिंग कार्यालयों के स्थान परिवर्तन का कार्य तथा मुख्य प्रवेश द्वार की तरफ पार्किंग में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। नए प्रशासनिक भवन, मुख्य प्रवेश द्वार की तरफ प्रस्थान भवन और बेसमेंट पार्किंग का कार्य, दूसरे प्रवेश द्वार की ओर प्रस्थान भवन और एकीकृत बेसमेंट का निर्माण, नए एयर कॉनकोर्स, प्लेटफॉर्म 8 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य शुरू किया गया है।

- रामेश्वरम स्टेशन: मल्टी फंक्शनल कॉम्प्लेक्स भवन को रिटायरिंग रूम में परिवर्तित करने, पूर्वी और उत्तरी टर्मिनल भवन के संरचनात्मक कार्य, पार्सल कार्यालय, प्रस्थान फोरकोर्ट, आगमन फोरकोर्ट, सबस्टेशन भवन और सीवेज उपचार संयंत्र के कार्य पूरे हो चुके हैं। पूर्वी टर्मिनल भवन, उत्तरी टर्मिनल भवन, प्रस्थान फोरकोर्ट, सीवेज उपचार संयंत्र, आगमन फोरकोर्ट, प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्रतीक्षालय के सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।

- **तिरुपति स्टेशन: दक्षिण की तरफ नए स्टेशन भवन (जी+3+बेसमेंट) का संरचनात्मक कार्य, उत्तर की तरफ नए स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य, एयर कॉनकोर्स, भूमिगत और ओवरहेड पानी की टंकियाँ, सीवेज उपचार संयंत्र, वर्षा जल संचयन, ऊपरी सड़क पुल के लिए रैंप, लिफ्ट और एस्केलेटर का कार्य पूरा हो चुका है। स्टेशन भवन, कनेक्टिंग ब्रिज, पहुंच मार्ग और प्लेटफॉर्म शेल्टर के फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

इसके अलावा, भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/अवस्था/यातायात संभलाई आदि के आधार पर किया जाता है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति के कार्य हैं, जिनमें यात्रियों और गाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियाँ जैसे पेड़ों की कटाई, धरोहर, अग्निशमन विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृतियां आदि अपेक्षित होती हैं। ये स्टेशन लंबे समय से परिचालन में हैं, अतः ब्राउनफील्ड कार्य चुनौतियों जैसे जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण (जिनमें पानी/सीवेज की लाइनें, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, पावर/सिगनल केबल आदि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना गाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली की लाइन के निकट किए जा रहे कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि का सामना किया जा रहा है तथा ये कारक कार्य की प्रगति और समापन समय को प्रभावित करते हैं।

<u>स्वदेशी स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली "कवच"</u>

1. **कवच स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली (एटीपी) है। कवच अत्यधिक प्रौद्योगिकी प्रधान प्रणाली है, जिसके लिए सर्वोच्च स्तर के संरक्षा प्रमाणन (एसआईएल-4) की आवश्यकता होती है।**

2. यदि लोको पायलट ब्रेक लगाने में विफल रहता है तो कवच स्वचालित ब्रेक लगाकर लोको पायलट को निर्दिष्ट गति सीमा के भीतर रेलगाड़ी चलाने में सहायता करता है और यह खराब मौसम के दौरान रेलगाड़ी को संरक्षित ढंग से चलाने में भी सहायता करता है।

3. यात्री गाड़ियों पर पहला फील्ड परीक्षण फरवरी 2016 में शुरू किया गया था। प्राप्त अनुभव और निष्पक्ष संरक्षा मूल्यांकनकर्ता (आईएसए) द्वारा प्रणाली के निष्पक्ष संरक्षा मूल्यांकन के आधार पर, कवच संस्करण 3.2 की आपूर्ति के लिए 2018-19 में तीन फर्मों को अनुमोदित किया गया था।

4. कवच को जुलाई, 2020 में राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के रूप में अपनाया गया।

5. कवच प्रणाली के कार्यान्वयन में निम्नलिखित मुख्य कार्यकलाप शामिल हैं:

   क. प्रत्येक स्टेशन, ब्लॉक खण्ड पर स्टेशन कवच का संस्थापन।

   ख. पूरे रेलपथ की लंबाई में आरएफआईडी टैग का संस्थापन।

   ग. समग्र खंड में दूरसंचार टावरों का संस्थापन।

   घ. रेलपथ के किनारे ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना।

   ङ. भारतीय रेल पर चल रहे प्रत्येक रेल इंजन पर लोको कवच का प्रावधान।

6. दक्षिण मध्य रेल के 1,465 मार्ग किलोमीटर पर कवच संस्करण 3.2 के संस्थापन और प्राप्त अनुभव के आधार पर आगे और सुधार किए गए। अंततः आरडीएसओ द्वारा दिनांक 16.07.2024 को कवच विशिष्टि संस्करण 4.0 को अनुमोदित किया गया।

7. कवच 4.0 संस्करण में विविध रेल नेटवर्क के लिए आवश्यक सभी प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। यह भारतीय रेल की संरक्षा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अल्प अवधि के भीतर, भारतीय रेल ने स्वचालित रेलगाड़ी संरक्षा प्रणाली विकसित, परीक्षित और संस्थापित की है।

8. कवच संस्करण 4.0 में किए गए प्रमुख सुधारों में अवस्थिति सटीकता में वृद्धि, बड़े यार्डों में सिगनल स्थिति की बेहतर जानकारी, ओएफसी पर स्टेशन-से-स्टेशन कवच इंटरफ़ेस और मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली से सीधा इंटरफ़ेस शामिल है। इन सुधारों के साथ, कवच संस्करण 4.0 को भारतीय रेल में बड़े पैमाने पर लागू करने की योजना है।

9. 31.07.2026 की स्थिति के अनुसार, व्यापक और विस्तृत परीक्षणों के उपरांत, कवच संस्करण 4.0 को 2,633 मार्ग किलोमीटर पर सफलतापूर्वक कमीशन किया गया है, जिसमें शामिल उच्च घनत्व वाले दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा मार्ग निम्नानुसार हैः

क्र.सं.	रेल खंड	प्रगति (मार्ग कि.मी.)
(1)	दिल्ली-मुंबई मार्ग: 1,423 मार्ग किलोमीटर	
i	तिलक ब्रिज - जंक्शन केबिन - पलवल - मथुरा - कोटा - नागदा - रतलाम - वडोदरा - विरार खंड	1,327
ii	वडोदरा - अहमदाबाद खंड	96
(2)	दिल्ली-हावड़ा मार्ग: 1,210 मार्ग किलोमीटर	
(i)	चिपियाना - टूण्डला - कानपुर - सुबेदारगंज खंड	563
(ii)	कानपुर - लखनऊ खंड	71
(iii)	मिर्जापुर - पंडित दीन दयाल उपाध्याय (छोड़कर) खंड	64
(iv)	पंडित दीन दयाल उपाध्याय (एफओसी) - भभुआ रोड खंड	50
(v)	सासाराम - फेसर खंड	43
(vi)	गया - सरमाटांड़ - निमियाघाट खंड	159
(vii)	छोटा अमबाना - बर्द्धमान - हावड़ा खंड	260

10. इसके अलावा, भारतीय रेल के सभी जीक्यू, जीडी, एचडीएन और चिह्नित रेलखंडों को कवर करते हुए 21,794 मार्ग किलोमीटर पर रेलपथ के किनारे कवच के कार्यों का कार्यान्वयन प्रारंभ किया गया है।

11. भारतीय रेल पर कवच के प्रमुख मदों की कुल प्रगति निम्नानुसार है:

क्र.सं.	मदें	प्रगति
i	ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना	11,547 कि.मी.
ii	दूरसंचार टावरों का संस्थापन	1,721 अदद
iii	स्टेशन डेटा सेंटर	1,009 स्टेशन
iv	रेलपथ साइड उपकरणों का संस्थापन	7,726 मार्ग कि.मी.
v	रेल इंजनों में कवच का प्रावधान	6,290 अदद

12. इसके अलावा, 7,190 रेल इंजनों और 1200 ईएमयू/एमईएमयू में कवच लगाने का कार्य शुरू किया गया है।

13. सभी संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए भारतीय रेल के केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में कवच पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अब तक 94,000 से अधिक तकनीशियनों, ऑपरेटरों और इंजीनियरों को कवच प्रौद्योगिकी के विषय पर प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसमें लगभग 57,000 लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट सम्मिलित हैं। ये पाठ्यक्रम इरिसेट के सहयोग से तैयार किया गया है।

14. कवच के स्टेशन सहित रेलपथ साइड उपस्करों के लगाए जाने की लागत लगभग 50 लाख रुपए/कि.मी. है और इंजनों पर कवच के उपस्करों के लगाए जाने की लागत लगभग 80 लाख रुपए/रेलइंजन है।

15. जून, 2026 तक कवच संबंधी कार्यों पर 3875 करोड़ रुपए की निधि का उपयोग किया गया है। वर्ष 2026-27 के दौरान 2066 करोड़ रुपए की निधि आबंटित की गई है। पूरे देश में कवच का कार्य अच्छी गति से चल रहा है। कार्यों की प्रगति के अनुसार अपेक्षित निधि उपलब्ध कराई जाती है।

******